

成語熟語詞典

商務印書館

# 成語熟語詞典

劉葉秋 苑育新 許振生 編

商 務 印 書 館

一九九二年·北京

CHÉNGYŪ SHŪYŪ CÍDIǎN

成語熟語詞典

劉葉秋 苑育新 許振生 編

---

商務印書館出版

(北京王府井大街36號 郵政編碼100710)

新華書店總店北京發行所發行

商務印書館激光照排

河北省三河縣藝苑膠印廠印裝

ISBN 7-100-00074-2/H·37

---

1992年1月第1版

開本 850×1168 1/32

1992年1月北京第1次印刷

字數 930千

印數 0—10 000冊

印張 18%

定價:10.00元

## 序 例

成語熟語詞典以修訂本辭源原有的成語熟語條目為基礎，根據辭源組多年積累的資料卡片，並參考各種新舊辭書編成，共收成語、熟語七千五百餘條。新增條目，幾乎是辭源原有條目的一半，其中以俗諺的條目為多。

什麼叫作成語，目前大家還缺乏完全一致的概念，故編書亦去取有異，原則不同。照我們的理解，所謂成語、熟語，指習用的古語、俗諺、格言、歇後語以及各方面能獨立表意的詞組、短句，其特點大都是約定俗成，結構固定，文字不能改動；意義亦往往不限於字面，而多引申、比喻、借代、誇張、形容等等用法。至於古今口頭常說的俗語，如“順水推舟”也可以說“順水推船”之類，應屬例外，又當別論。這部詞典所以把成語、熟語並列作為書名，就是因為熟語一詞，所包較廣，而書中所收詞目，並不限於一般成語的緣故。

成語與典故，成語和俗語、俚諺，很難有嚴格的界限。成語有的出自寓言，如“守株待兔”、“揠苗助長”等等，有的關乎史事，如“負荊請罪”、“聞雞起舞”等等；俱經後人取事鍊詞，概括為四個字的成語。其采自傳說或壓縮名句者，如“人面桃花”、“滿城風雨”、“山窮水盡”、“柳暗花明”之類，為例亦多。至於俗諺，起源更早。如“匹夫無罪，懷璧其罪”，就是左傳桓公十年所引周時的俗諺，有總結經驗教訓的意義。此外如“虎入羊群”、“虎頭蛇尾”、“瓦罐終須井上破”之類的俗語，在戲曲小說中也經常見到。故本書收詞取證，自先秦兩漢各種古籍到清末民初通俗小說中所見，均加採擇。

常見的成語，多為四字。亦有被簡括成兩字、三字者。本書所收詞目，四字至十四字者，俱經選錄。由於這些成語、熟語產生於不同的時代，結構不一，長短有異，源流演變，情況複雜，解說就得針對特點，各適其宜，不能拘於一種形式。如“不一而足”、“談何容易”之類的成語，須要說明原義和後來用法的不同。如“虎視眈眈”、“一往情深”之

類，語詞與內容關係密切，須要兼顧文字訓詁，說明“眈眈”與“一往”的含義，不能只講成語大意，而忽略字面。“佳兵不祥”一條，吸收前人研究成果，采錄王念孫的考證，也是希望從文字訓詁方面，讓讀者更清楚地理解成語內容的意思。

至於本源在先，而詞語後出的條目，為數甚多。辨析源流，補充書證，是我們致力的一個主要方面。如“合浦珠還”一條，修訂本辭源第一分冊，只有故事出處後漢書孟嘗傳，並無連用“合浦珠還”四字的書證。本書增引宋人程俱的詩，雖未必為最早的書證，却使此條事文皆備，比較完整了。另外，收入本書的辭源舊有條目，也大部分經過修改解說，補充或撤換了書證。無書證的後起義或現代用法，一般都在詞條之末附帶提及。

宋元以來的俗語、俚諺，多為白話，難再解說。如“人心不足蛇吞象”之類，只能從語詞的比喻方式、褒貶之異和感情色彩以及用法等等多方面考慮，變換方式，以發揮其需要闡明的內涵。

近年各地印行的成語詞典，真如雨後春筍，而後出者往往以多為勝，所收詞語，不免失之於濫。如把“昂首挺胸”、“闊步前進”之類的四字詞組大量列入，以增加數目，就很不恰當。其實要想發掘成語詞目，古書中還有很豐富的材料。如“一分為二”，現在常說，或以為今語，實已早見於宋人著作。“恃德者昌，恃力者亡”，語出史記商君傳，常為後人引用，現在許多成語詞典，均無此條。成語熟語詞典增加這類新條，表示了我們的努力方向。依辭源引證之例，凡列詞目，均有書證，不見於書面的成語、熟語，一律不收，仍舊保留辭源原來的特點。以常見為主，強調實用，是我們的一貫主張。但限於水平和見聞，疏舛必多，希望讀者和專家批評指正，以便作必要的修訂，進一步提高質量。這裏就本書的體例，再作一些簡單的說明如下：

(1) 詞條包括釋義和書證兩部分。涉及史實、典故的條目，一般采用敘述體，注明出處，列舉用此成語的書證。

(2) 條目中字詞，需要講解的，隨文疏釋。

(3) 內容相同而詞目文字小異的條目，一般只在一條下加解說，列書證，其他條目則注明“見‘某某’條”，以免重複。如“下坂丸”一條下注“見‘下坂走丸’”。

(4) 內容近似的條目，處理同上。

(5)內容有關的條目，可以互相補充參考的，注明“參見‘某某’條”。

(6)有的條目，在解釋和書證之後，注明“參閱某書”，為讀者提供參考資料。

(7)有的詞條，為了顯示源流演變、詞義異同，所舉書證，不限於一個。

(8)所列書證，都詳注書名、篇目或卷次。引用先秦子史和後出的史書、總集、字書、韻書、類書等以外的其他著作，還加注時代和作者姓名。惟古典小說中的水滸、三國演義、西遊記、紅樓夢四部書，不標時代作者。

(9)引用古籍，一般據通行本。如二十四史用中華書局校點本、商務印書館百衲本、十三經用注疏本，其他四部書用四部叢刊本，筆記雜著用叢書集成本等。

(10)詞頭單字，仍照辭源例用部首排列。同部首的字，按筆畫數多少為序，少的在前，多的在後。詞目排列，亦以字數少者列前，多者排後。同一詞頭，字數也一樣的條目，即以第二字的筆畫多少來分先後。筆畫數相同的，以第二字的起筆筆形、一丨丿為序。

(11)本書編有三種索引：漢語拼音索引、四角號碼索引，供查詞頭單字之用；詞目筆畫索引，供查詞目之用。只要掌握一種檢字法，就能查到要找的詞目。

(12)本書多徵引古籍，故仍照辭源之例，用繁體字排印。

一九九一年十二月

# 總目

|              |       |
|--------------|-------|
| 序例 .....     | 1—3   |
| 詞目筆畫索引 ..... | 2—44  |
| 四角號碼索引 ..... | 45—56 |
| 漢語拼音索引 ..... | 57—65 |
| 詞典正文 .....   | 1—515 |

## 詞目筆畫索引

## 筆畫排列說明

1. 筆畫排列按詞目第一個字的筆畫多少為序，筆畫少的在前，筆畫多的在後。

2. 如詞目第一個字的筆畫相同，則按起筆筆形、一丨丿為序，依次排列。如起筆筆形相同，則看第二筆。以此類推。

3. 丶一丨丿以外的筆形作如下處理：

ㄣ 作[一]

丨 丿 ㇇ 作[丨]

㇇ 作[丿]

㇇ 作[、]

、(短撇)和、對稱或並列的作[、]。

| 一畫   |   |      |   |      |   |      |   |
|------|---|------|---|------|---|------|---|
| 一串珠  | 1 | 一日萬幾 | 2 | 一行作吏 | 4 | 一刻千金 | 5 |
| 一了百當 | 1 | 一以貫之 | 2 | 一言九鼎 | 4 | 一事不知 | 5 |
| 一刀兩段 | 1 | 一手一足 | 2 | 一言半辭 | 4 | 一事無成 | 5 |
| 一刀兩斷 | 1 | 一手遮天 | 2 | 一言華袞 | 4 | 一枕黃粱 | 5 |
| 一之為甚 | 1 | 一毛不拔 | 2 | 一言為定 | 4 | 一呼百諾 | 5 |
| 一之謂甚 | 1 | 一片冰心 | 2 | 一言難盡 | 4 | 一牀兩好 | 5 |
| 一千一方 | 1 | 一片宮商 | 2 | 一步一鬼 | 4 | 一知半解 | 5 |
| 一寸丹心 | 1 | 一分為二 | 2 | 一見如故 | 4 | 一物不知 | 5 |
| 一口兩匙 | 1 | 一去不返 | 3 | 一見如舊 | 4 | 一往情深 | 5 |
| 一文不值 | 1 | 一世之雄 | 3 | 一串驪珠 | 4 | 一狐之白 | 5 |
| 一心一意 | 1 | 一世龍門 | 3 | 一吟一詠 | 4 | 一狐之腋 | 5 |
| 一五一十 | 1 | 一民同俗 | 3 | 一成之旅 | 4 | 一軌同風 | 6 |
| 一木難支 | 1 | 一目十行 | 3 | 一成不變 | 4 | 一柱擎天 | 6 |
| 一日九遷 | 1 | 一目之羅 | 3 | 一身一計 | 4 | 一相情願 | 6 |
| 一日之長 | 2 | 一丘之壑 | 3 | 一身二任 | 4 | 一面之交 | 6 |
| 一日之長 | 2 | 一丘之貉 | 3 | 一身兩役 | 4 | 一面之辭 | 6 |
| 一日之雅 | 2 | 一仍舊貫 | 3 | 一身是膽 | 4 | 一飛沖天 | 6 |
| 一日三秋 | 2 | 一字一珠 | 3 | 一佛出世 | 5 | 一家一計 | 6 |
| 一日千里 | 2 | 一字千金 | 3 | 一波三折 | 5 | 一家之學 | 6 |
|      |   | 一字褒貶 | 3 | 一定不易 | 5 | 一索得男 | 6 |
|      |   | 一衣帶水 | 3 | 一官半職 | 5 | 一時半刻 | 6 |
|      |   | 一年半載 | 4 | 一卒之令 | 5 | 一笑千金 | 6 |

|      |   |         |    |         |         |       |    |
|------|---|---------|----|---------|---------|-------|----|
| 一笑置之 | 6 | 一網打盡    | 9  | 一客不犯二主  | 12      | 二 畫   |    |
| 一脈相傳 | 6 | 一麾出守    | 9  | 一客不煩二主  | 12      |       |    |
| 一息尚存 | 6 | 一髮千鈞    | 10 | 一客不煩兩家  | 12      | 二三君子  | 32 |
| 一倡三歎 | 6 | 一模一樣    | 10 | 一卽一，二卽二 | 12      | 二心兩意  | 32 |
| 一視同仁 | 7 | 一睜不視    | 10 | 一馬不被兩鞍  | 13      | 二分明月  | 32 |
| 一張一弛 | 7 | 一噴一醒    | 10 | 一動不如一靜  | 13      | 二缶鍾惑  | 32 |
| 一敗塗地 | 7 | 一暴十寒    | 10 | 一傳十，十傳百 | 13      | 二惠競爽  | 32 |
| 一唱三歎 | 7 | 一漿十餅    | 10 | 一遭生，兩遭熟 | 13      | 二滿三平  | 32 |
| 一國三公 | 7 | 一箭雙鵰    | 10 | 一榜盡賜及第  | 13      | 二桃殺三士 | 32 |
| 一貧如洗 | 7 | 一德一心    | 10 | 一蟹不如一蟹  | 13      | 十日飲   | 78 |
| 一得之愚 | 7 | 一龍一蛇    | 10 | 一寸山河一寸金 | 13      | 十五五   | 78 |
| 一寒如此 | 7 | 一龍一豬    | 10 | 一寸光陰一寸金 | 13      | 十中八九  | 79 |
| 一瓶一鉢 | 7 | 一諾千金    | 10 | 一口吸盡西江水 | 13      | 十目十手  | 79 |
| 一勞永逸 | 7 | 一樹百穫    | 10 | 一失足成千古恨 | 13      | 十生九死  | 79 |
| 一琴一鶴 | 7 | 一闕之市    | 10 | 一年之計在於春 | 13      | 十羊九牧  | 79 |
| 一壺千金 | 7 | 一筵牙齒    | 10 | 一夜夫妻百夜恩 | 13      | 十死一生  | 79 |
| 一場春夢 | 7 | 一錢不直    | 10 | 一將功成萬骨枯 | 13      | 十年窗下  | 79 |
| 一朝一夕 | 7 | 一錢不值    | 11 | 一朝天子一朝臣 | 13      | 十年讀書  | 79 |
| 一朝之忿 | 7 | 一龜一鶴    | 11 | 一人拚死，   | 13      | 十行俱下  | 79 |
| 一朝之患 | 7 | 一舉千里    | 11 | 千人莫當    |         | 十步芳草  | 79 |
| 一樓兩雄 | 8 | 一舉成名    | 11 | 一人拚命，   | 14      | 十步茂草  | 79 |
| 一揮而成 | 8 | 一舉兩得    | 11 | 萬夫難當    |         | 十步香草  | 79 |
| 一揮而就 | 8 | 一謙四益    | 11 | 一人傳虛，   | 14      | 十里長亭  | 79 |
| 一階半級 | 8 | 一點靈犀    | 11 | 萬人傳實    |         | 十室九空  | 79 |
| 一階半職 | 8 | 一瀉千里    | 11 | 一夫當關，   | 14      | 十面埋伏  | 79 |
| 一陽來復 | 8 | 一竅不通    | 11 | 萬夫莫開    |         | 十風五雨  | 79 |
| 一傳衆咻 | 8 | 一擲千金    | 11 | 一犬吠形，   | 14      | 十部從事  | 79 |
| 一絲不掛 | 8 | 一擲百萬    | 11 | 百犬吠聲    |         | 十寒衆楚  | 79 |
| 一絲半粟 | 8 | 一擲乾坤    | 11 | 一日爲師，   | 14      | 十圍五攻  | 80 |
| 一意孤行 | 8 | 一薰一蕕    | 11 | 終身爲父    |         | 十鼠同穴  | 80 |
| 一落千丈 | 8 | 一簧兩舌    | 11 | 一言易失，   | 14      | 十鼠爭穴  | 80 |
| 一葉兩豆 | 8 | 一簞一瓢    | 11 | 駟馬難追    |         | 十親九故  | 80 |
| 一葉知秋 | 8 | 一鴈一詠    | 11 | 一言既出，   | 14      | 十盞十決  | 80 |
| 一葉蔽目 | 8 | 一嘔一笑    | 11 | 駟馬難追    |         | 十八重地獄 | 80 |
| 一鼓作氣 | 8 | 一變已足    | 11 | 一佛出世，   | 14      | 十八般武藝 | 80 |
| 一路福星 | 8 | 一籌莫展    | 12 | 二佛生天    |         | 十八層地獄 | 80 |
| 一飯千金 | 9 | 一饋十起    | 12 | 一則以喜，   | 14      | 十指有長短 | 80 |
| 一飲一啄 | 9 | 一顧傾城    | 12 | 一則以懼    |         | 十日一水， | 80 |
| 一資半級 | 9 | 一鱗一爪    | 12 | 一部十七史從  | 五日一石    | 80    |    |
| 一齊衆楚 | 9 | 一鱗片甲    | 12 | 何說起     | 十年樹木，   |       | 80 |
| 一誤再誤 | 9 | 一鱗半甲    | 12 | 一字入公門，  | 百年樹人    | 15    |    |
| 一塵不到 | 9 | 一棒一條痕   | 12 | 九牛拔不出   | 丁一卯二    |       | 15 |
| 一塵不染 | 9 | 一不做，二不休 | 12 | 一年被蛇咬，  | 丁一確二    | 15    |    |
| 一臺二妙 | 9 | 一代不如一代  | 12 | 三年怕草索   | 丁公鑿井    |       | 15 |
| 一團和氣 | 9 | 一而二，二而一 | 12 | 一朝權在手，  | 丁娘十索    | 15    |    |
| 一鳴驚人 | 9 | 一牀錦被遮蓋  | 12 | 便把令來行   | 丁是丁，卯是卯 |       | 15 |

|       |    |         |    |         |    |         |    |
|-------|----|---------|----|---------|----|---------|----|
| 丁字不圓， |    | 人心惟危    | 36 | 人莫知其子之惡 | 39 | 亡戟得矛    | 35 |
| 八字不正  | 15 | 人云亦云    | 36 | 人心似鐵，官  |    | 三字獄     | 16 |
| 七上八下  | 15 | 人中獅子    | 36 | 法如爐     | 39 | 三十六計    | 16 |
| 七上八落  | 15 | 人中麒麟    | 36 | 人平不語，   |    | 三人成虎    | 16 |
| 七尺之軀  | 15 | 人生如寄    | 36 | 水平不流    | 39 | 三三五五    | 16 |
| 七手八脚  | 15 | 人生朝露    | 36 | 人而無信，   |    | 三三兩兩    | 16 |
| 七步成詩  | 15 | 人死留名    | 36 | 不知其可    | 39 | 三千珠履    | 16 |
| 七青八黃  | 15 | 人存政舉    | 36 | 人同此心，   |    | 三心二意    | 16 |
| 七郎八當  | 15 | 人多口雜    | 36 | 心同此理    | 39 | 三日新婦    | 16 |
| 七零八落  | 15 | 人自為戰    | 36 | 人非堯舜，   |    | 三日僕射    | 16 |
| 七嘴八舌  | 15 | 人言可畏    | 36 | 誰能盡善    | 39 | 三分鼎足    | 16 |
| 七縱七禽  | 16 | 人言籍籍    | 37 | 人間私語，   |    | 三平二滿    | 16 |
| 七類八倒  | 16 | 人定勝天    | 37 | 天聞若雷    | 39 | 三令五申    | 17 |
| 七竇樓臺  | 16 | 人取我與    | 37 | 人過留名，   |    | 三言兩句    | 17 |
| 刁天決地  | 68 | 人事代謝    | 37 | 雁過留聲    | 39 | 三言兩語    | 17 |
| 刁天厥地  | 68 | 人非木石    | 37 | 人為刀俎，   |    | 三更半夜    | 17 |
| 刁鑽古怪  | 68 | 人命危淺    | 37 | 我為魚肉    | 39 | 三豕涉河    | 17 |
| 了身達命  | 31 | 人命關天    | 37 | 人無遠慮，   |    | 三長兩短    | 17 |
| 刀山劍樹  | 68 | 人神共憤    | 37 | 必有近憂    | 39 | 三姑九婆    | 17 |
| 刀林劍樹  | 68 | 人面桃花    | 37 | 人無千日好，  |    | 三貞九烈    | 17 |
| 刀耕火種  | 68 | 人面獸心    | 37 | 花無百日紅   | 39 | 三浴三熏    | 17 |
| 刀耕火耨  | 68 | 人浮於食    | 37 | 人無害虎心，  |    | 三茶六禮    | 17 |
| 刀頭燕尾  | 68 | 人情世故    | 37 | 虎有傷人意   | 39 | 三紙無禮    | 17 |
| 刀樹劍山  | 68 | 人強馬壯    | 37 | 人不可貌相，  |    | 三教九流    | 17 |
| 力不從心  | 74 | 人莫余毒    | 37 | 海水不可斗量  | 39 | 三推六問    | 17 |
| 力爭上游  | 74 | 人琴俱亡    | 37 | 人口無賊    | 58 | 三從四德    | 17 |
| 力挽狂瀾  | 74 | 人眾勝天    | 37 | 人木三分    | 58 | 三陽交泰    | 18 |
| 力透紙背  | 74 | 人棄我取    | 37 | 人不敷出    | 58 | 三陽開泰    | 18 |
| 力敵勢均  | 74 | 人傑地靈    | 38 | 人主出奴    | 58 | 三喻五復    | 18 |
| 力盡筋疲  | 74 | 人給家足    | 38 | 人門問諱    | 58 | 三番五次    | 18 |
| 卜晝卜夜  | 87 | 人微言輕    | 38 | 入室弟子    | 58 | 三番兩次    | 18 |
| 八百孤寒  | 60 | 人微權輕    | 38 | 入室昇堂    | 58 | 三無坐處    | 18 |
| 八門五花  | 60 | 人盡可夫    | 38 | 入室操戈    | 58 | 三復白圭    | 18 |
| 八面見光  | 60 | 人窮智短    | 38 | 人國問俗    | 58 | 三媒六證    | 18 |
| 八面玲瓏  | 60 | 人頭畜鳴    | 38 | 人幕之賓    | 58 | 三魂七魄    | 18 |
| 八面威風  | 61 | 人不可貌相   | 38 | 九牛一毛    | 30 | 三熏三浴    | 18 |
| 八字沒一撇 | 61 | 人生面不熟   | 38 | 九牛二虎    | 31 | 三綱五常    | 18 |
| 八仙過海， |    | 人是地行仙   | 38 | 九死一生    | 31 | 三頭二面    | 18 |
| 各顯神通  | 61 | 人不知，鬼不覺 | 38 | 九原可作    | 31 | 三頭六臂    | 18 |
| 人一己百  | 35 | 人心不足蛇吞象 | 38 | 九鼎大呂    | 31 | 三顧茅廬    | 18 |
| 人人自危  | 36 | 人生七十古來稀 | 38 | 九霄雲外    | 31 | 三顧草廬    | 18 |
| 人亡物在  | 36 | 人生何處不相逢 | 38 | 三 畫     |    | 三疊三浴    | 19 |
| 人亡政息  | 36 | 人各有能有不能 | 38 | 亡羊補牢    | 35 | 三寸不爛之舌  | 19 |
| 人才難得  | 36 | 人怕出名豬怕壯 | 39 | 亡國大夫    | 35 | 三十六策走上策 | 19 |
| 人山人海  | 36 | 人皆可以為堯舜 | 39 | 亡國之音    | 35 | 三十六計，走為 |    |
| 人心如面  | 36 | 人逢好事精神爽 | 39 |         |    | 上計      | 19 |

|            |      |     |            |     |          |    |
|------------|------|-----|------------|-----|----------|----|
| 三十六着,走爲    | 寸絲不挂 | 150 | 大醉小疵       | 123 | 口似懸河     | 91 |
| 上着 19      | 寸絲半粟 | 150 | 大模大樣       | 123 | 口如懸河     | 91 |
| 三日打魚,兩日    | 寸陰尺璧 | 150 | 大璞不完       | 123 | 口吻生花     | 91 |
| 曬網 19      | 寸陰若歲 | 150 | 大器小用       | 123 | 口角春風     | 91 |
| 三緙梳頭,兩截    | 寸晷風簷 | 150 | 大器晚成       | 123 | 口含天憲     | 91 |
| 穿衣 19      | 寸鐵殺人 | 150 | 大聲疾呼       | 124 | 口沸目赤     | 91 |
| 三十年河東,三十   | 才子佳人 | 208 | 大謬不然       | 124 | 口尚乳臭     | 91 |
| 年河西 19     | 才氣過人 | 208 | 大驚小怪       | 124 | 口若懸河     | 92 |
| 三寸氣在千般用,   | 才疏志大 | 208 | 大早望雲霓      | 124 | 口是心非     | 92 |
| 一旦無常萬事     | 才疏學淺 | 208 | 大事不糊塗      | 124 | 口誅筆伐     | 92 |
| 休 19       | 才疎意廣 | 208 | 大開方便之門     | 124 | 口蜜腹劍     | 92 |
| 千名采譽 167   | 才貌雙全 | 208 | 大人不責小人     |     | 口說無憑     | 92 |
| 千城之將 167   | 大刀闊斧 | 121 | 過 124      |     | 口碑載道     | 92 |
| 千卿何事 167   | 大才晚成 | 121 | 大水沖了龍王     |     | 口講指畫     | 92 |
| 千雲蔽日 167   | 大才榮榮 | 121 | 廟 124      |     | 口燥唇乾     | 92 |
| 千隔滂漢子 167  | 大方之家 | 121 | 大事化小,小事    |     | 口惠而實不至   | 92 |
| 下坂丸 19     | 大巧若拙 | 121 | 化無 124     |     | 口甜如蜜鉢,心  | ✓  |
| 下比有餘 19    | 大失所望 | 121 | 兀兀秃秀 55    |     | 苦似黃蘗     | 92 |
| 下坂走丸 19    | 大而無當 | 121 | 己飢己溺 165   |     | 川渚嶽峙 161 |    |
| 下車泣罪 19    | 大同小異 | 121 | 己所不欲,勿施    |     | 山光水色 159 |    |
| 下氣怡色 20    | 大言不慚 | 122 | 於人 165     |     | 山秀水明 159 |    |
| 下氣怡聲 20    | 大材小用 | 122 | 弓影杯蛇 172   |     | 山長水遠 159 |    |
| 下筆成章 20    | 大材則走 | 122 | 尸位素餐 156   |     | 山長水闊 159 |    |
| 下喬入幽 20    | 大吹大擂 | 122 | 尸居餘氣 157   |     | 山明水秀 159 |    |
| 工力悉敵 162   | 大含細入 | 122 | 尸居龍見 157   |     | 山肴野蔌 159 |    |
| 土木形骸 112   | 大法小廉 | 122 | 尸祿素餐 157   |     | 山肴野蔬 159 |    |
| 土牛木馬 112   | 大放厥辭 | 122 | 尸橫遍野 157   |     | 山珍海味 159 |    |
| 土扶成牆 113   | 大呼小叫 | 122 | 子子孫孫 137   |     | 山珍海錯 160 |    |
| 土長根生 113   | 大逆無道 | 122 | 子曰詩云 137   |     | 山南海北 160 |    |
| 土崩瓦解 113   | 大相逕庭 | 122 | 子午卯酉 137   |     | 山峙淵渟 160 |    |
| 土階茅屋 113   | 大海撈針 | 122 | 子虛烏有 137   |     | 山重水複 160 |    |
| 土飯塵羹 113   | 大庭廣衆 | 122 | 上下其手 20    |     | 山高水低 160 |    |
| 土龍獨狗 113   | 大書特書 | 122 | 上方不足 20    |     | 山高水長 160 |    |
| 土壤細流 113   | 大馬金刀 | 122 | 上行下效 20    |     | 山崩地陷 160 |    |
| 土飽馬騰 118   | 大莫與京 | 123 | 上知下愚 20    |     | 山崩地裂 160 |    |
| 士可殺不可辱 118 | 大寒索裘 | 123 | 上漏下窪 20    |     | 山崩地應 160 |    |
| 士爲知己者用 118 | 大喜過望 | 123 | 上樹拔梯 20    |     | 山樓谷飲 160 |    |
| 士爲知己者死 118 | 大惑不解 | 123 | 上梁不正下梁歪 20 |     | 山盟海誓 160 |    |
| 寸木岑樓 149   | 大發雷霆 | 123 | 上天無路,人地    |     | 山窮水盡 160 |    |
| 寸田尺宅 149   | 大智如愚 | 123 | 無門 20      |     | 山頽木壞 160 |    |
| 寸步不離 149   | 大智若愚 | 123 | 上有天堂,下有    |     | 山難舞鏡 160 |    |
| 寸步難行 150   | 大義滅親 | 123 | 蘇杭 20      |     | 山雨欲來風滿   |    |
| 寸步難移 150   | 大慈大悲 | 123 | 口中蚤蝨 91    |     | 樓 160    |    |
| 寸男尺女 150   | 大輅椎輪 | 123 | 口中雌黃 91    |     | 山河易改,本性  |    |
| 寸草不留 150   | 大腹便便 | 123 | 口耳之學 91    |     | 難移 160   |    |
| 寸草春暉 150   | 大煞風景 | 123 | 口血未乾 91    |     | 山陰道上,應接  |    |

|         |     |         |     |      |     |      |     |
|---------|-----|---------|-----|------|-----|------|-----|
| 不暇      | 161 | 千金之子    | 82  | 斗酒隻雞 | 240 | 戶樞不蠹 | 206 |
| 小才大用    | 154 | 千金市骨    | 82  | 斗粟尺布 | 240 | 戶辯家說 | 206 |
| 小已得失    | 154 | 千金弊帚    | 82  | 斗筲之人 | 240 | 心口如一 | 182 |
| 小心謹慎    | 154 | 千軍萬馬    | 82  | 斗筲之材 | 240 | 心心相印 | 182 |
| 小心翼翼    | 154 | 千秋萬歲    | 82  | 斗筲之輩 | 240 | 心心念念 | 182 |
| 小本經紀    | 154 | 千紅萬紫    | 82  | 斗轉星移 | 240 | 心不兩用 | 182 |
| 小往大來    | 154 | 千紅萬綠    | 82  | 斗轉參橫 | 240 | 心不在焉 | 182 |
| 小姑獨處    | 154 | 千差萬別    | 82  | 六尺之孤 | 61  | 心手相應 | 182 |
| 小家碧玉    | 154 | 千倉萬箱    | 82  | 六月飛霜 | 61  | 心平氣和 | 182 |
| 小時了了    | 154 | 千倉萬箱    | 82  | 六馬仰秣 | 61  | 心去難留 | 183 |
| 小眼薄皮    | 154 | 千載一遇    | 82  | 六根清淨 | 61  | 心灰意懶 | 183 |
| 小國寡民    | 154 | 千載一會    | 82  | 六通四辟 | 61  | 心回意轉 | 183 |
| 小鳥依人    | 154 | 千載壹合    | 82  | 之乎者也 | 29  | 心血來潮 | 183 |
| 小廉曲謹    | 154 | 千萬買鄰    | 83  | 之死靡它 | 30  | 心如刀割 | 183 |
| 小隙沉舟    | 154 | 千歲一時    | 83  | 文人相輕 | 238 | 心如刀絞 | 183 |
| 小器易盈    | 154 | 千端萬緒    | 83  | 文不加點 | 238 | 心如死灰 | 183 |
| 小題大做    | 154 | 千緒萬端    | 83  | 文以載道 | 239 | 心如懸旌 | 183 |
| 小懲大誡    | 155 | 千慮一失    | 83  | 文江學海 | 239 | 心如鐵石 | 183 |
| 小巫見大巫   | 155 | 千慮一得    | 83  | 文如其人 | 239 | 心怡氣和 | 183 |
| 小不忍則亂大謀 | 155 | 千篇一律    | 83  | 文君新寡 | 239 | 心拙口秀 | 183 |
| 乞兒乘車    | 31  | 千嬌百媚    | 83  | 文房四士 | 239 | 心到神知 | 183 |
| 乞漿得酒    | 31  | 千嬌百態    | 83  | 文房四寶 | 239 | 心直口快 | 183 |
| 千了百當    | 80  | 千頭萬緒    | 83  | 文武雙全 | 239 | 心服口服 | 183 |
| 千了萬當    | 80  | 千鍾百鍊    | 83  | 文恬武嬉 | 239 | 心花怒放 | 183 |
| 千刀萬剗    | 80  | 千轉萬變    | 83  | 文風不動 | 239 | 心和氣平 | 183 |
| 千人所指    | 80  | 千巖萬壑    | 83  | 文從字順 | 239 | 心神不寧 | 183 |
| 千山萬水    | 80  | 千變萬化    | 83  | 文過飾非 | 239 | 心神恍惚 | 184 |
| 千千萬萬    | 80  | 千聞不如一見  | 83  | 文無加點 | 239 | 心若死灰 | 184 |
| 千方百計    | 80  | 千里之行，始於 |     | 文經武緯 | 239 | 心急如火 | 184 |
| 千叮萬囑    | 81  | 足下      | 83  | 文質彬彬 | 239 | 心急如焚 | 184 |
| 千回百轉    | 81  | 夕陽無限好   | 119 | 文韜武略 | 239 | 心悅誠服 | 184 |
| 千辛萬苦    | 81  | 凡夫肉眼    | 66  | 方寸已亂 | 242 | 心高氣傲 | 184 |
| 千言萬語    | 81  | 久安長治    | 29  | 方以類聚 | 243 | 心虔志誠 | 184 |
| 千村萬落    | 81  | 久仰山斗    | 29  | 方外之人 | 243 | 心堅石穿 | 184 |
| 千里一曲    | 81  | 久病成醫    | 29  | 方外司馬 | 243 | 心術不正 | 184 |
| 千里移檄    | 81  | 久假不歸    | 29  | 方底圓蓋 | 243 | 心勞日拙 | 184 |
| 千里猶面    | 81  | 久旱逢甘雨   | 29  | 方柄圓鑿 | 243 | 心閑手敏 | 184 |
| 千里尊羹    | 81  | 久聞大名，如雷 |     | 方便之門 | 243 | 心無二用 | 184 |
| 千里鶉毛    | 81  | 貫耳      | 29  | 方桃譬李 | 243 | 心慌意亂 | 184 |
| 千佛名經    | 81  | 女中堯舜    | 132 | 方領矩步 | 243 | 心慈面軟 | 184 |
| 千兵萬馬    | 81  | 女生外嚮    | 132 | 方輿未艾 | 243 | 心煩意亂 | 184 |
| 千門萬戶    | 81  | 女大十八變   | 132 | 方頭不劣 | 243 | 心照神交 | 184 |
| 千呼萬喚    | 82  |         |     | 方頭不律 | 243 | 心亂如麻 | 184 |
| 千金一笑    | 82  | 四 畫     |     | 方鑿圓柄 | 243 | 心腹之交 | 184 |
| 千金一擲    | 82  | 斗方名士    | 240 | 戶告人曉 | 206 | 心腹之疾 | 184 |
|         |     | 斗酒百篇    | 240 | 戶樞不朽 | 206 | 心腹之患 | 185 |

|        |     |      |     |          |     |         |     |
|--------|-----|------|-----|----------|-----|---------|-----|
| 心猿意馬   | 185 | 天衣無縫 | 125 | 天魔外道     | 128 | 五色無主    | 33  |
| 心滿意足   | 185 | 天吳紫鳳 | 125 | 天下本無事    | 128 | 五行並下    | 33  |
| 心滿願足   | 185 | 天作之合 | 125 | 天上石麒麟    | 128 | 五行俱下    | 33  |
| 心寬體胖   | 185 | 天官賜福 | 125 | 天不奪人願    | 128 | 五言長城    | 33  |
| 心廣體胖   | 185 | 天空海闊 | 125 | 天字第一號    | 128 | 五言金城    | 33  |
| 心領神會   | 185 | 天長地久 | 125 | 天高皇帝遠    | 128 | 五步成詩    | 33  |
| 心緒如麻   | 185 | 天花亂墜 | 125 | 天無絕人之路   | 128 | 五角六張    | 34  |
| 心醉魂迷   | 185 | 天南地北 | 125 | 天下老鴉一般   |     | 五花八門    | 34  |
| 心慕手追   | 185 | 天香國色 | 125 | 黑        | 128 | 五風十雨    | 34  |
| 心蕩神迷   | 185 | 天香國豔 | 125 | 天坍自有長茶   |     | 五雀六燕    | 34  |
| 心膽俱裂   | 185 | 天保九如 | 126 | 子        | 128 | 五湖四海    | 34  |
| 心懷叵測   | 185 | 天高地厚 | 126 | 天下興亡，匹夫  |     | 五經掃地    | 34  |
| 心懷鬼胎   | 185 | 天高驛卑 | 126 | 有責       | 129 | 五體投地    | 34  |
| 心曠神怡   | 185 | 天真爛漫 | 126 | 天網恢恢，疏而  |     | 五十步笑百步  | 34  |
| 心癢難撓   | 185 | 天馬行空 | 126 | 不漏       | 129 | 五百年前是一家 | 34  |
| 心驚肉跳   | 185 | 天荒地老 | 126 | 天下無難事，只怕 |     | 木已成舟    | 264 |
| 心驚肉戰   | 186 | 天造地設 | 126 | 有心人      | 129 | 木本水原    | 264 |
| 心驚膽戰   | 186 | 天倫之愛 | 126 | 天無三日晴，地  |     | 木雕泥塑    | 264 |
| 心驚膽顫   | 186 | 天倫之樂 | 126 | 無三尺平     | 129 | 比比皆是    | 284 |
| 心去意難留  | 186 | 天涯比鄰 | 126 | 天有不測風雲，  |     | 比肩而立    | 284 |
| 心有餘而力不 |     | 天涯地角 | 126 | 人有旦夕禍    |     | 比肩隨踵    | 284 |
| 足      | 186 | 天涯芳草 | 126 | 福        | 129 | 比肩繼踵    | 285 |
| 心有靈犀一點 |     | 天涯海角 | 127 | 天有不測風雲，  |     | 比肩疊跡    | 285 |
| 通      | 186 | 天旋日轉 | 127 | 人有旦時禍    |     | 比物連類    | 285 |
| 心病還從心上 |     | 天旋地轉 | 127 | 福        | 129 | 比屋可封    | 285 |
| 醫      | 186 | 天曹地府 | 127 | 夫人裙帶     | 129 | 比翼連理    | 285 |
| 心病還須心上 |     | 天授地設 | 127 | 夫子自道     | 129 | 瓦釜雷鳴    | 326 |
| 醫      | 186 | 天崩地坼 | 127 | 夫妻反目     | 129 | 瓦解冰泮    | 326 |
| 火上澆油   | 304 | 天崩地陷 | 127 | 夫倡婦隨     | 129 | 瓦解冰銷    | 326 |
| 火耕水耨   | 304 | 天從人願 | 127 | 夫唱婦隨     | 129 | 匹夫之勇    | 78  |
| 火耕流種   | 304 | 天道不容 | 127 | 井井有條     | 32  | 匹夫匹婦    | 78  |
| 火種刀耕   | 304 | 天道好選 | 127 | 井中視星     | 33  | 匹馬雙輪    | 78  |
| 火燒眉毛   | 304 | 天開地辟 | 127 | 井底之蛙     | 33  | 匹馬單槍    | 78  |
| 火鋸刀耕   | 304 | 天開圖畫 | 127 | 井水不犯河水   | 33  | 匹夫無罪，懷璧 |     |
| 火樹琪花   | 304 | 天無二日 | 127 | 元方季方     | 55  | 其罪      | 78  |
| 火樹銀花   | 304 | 天與人歸 | 127 | 元元本本     | 55  | 太平無象    | 129 |
| 天人際    | 124 | 天經地義 | 127 | 元龍高卧     | 55  | 太丘道廣    | 129 |
| 天人之際   | 124 | 天誘其衷 | 127 | 无妄之災     | 244 | 太倉稊米    | 129 |
| 天下一家   | 124 | 天奪之魄 | 127 | 五方雜厝     | 33  | 太歲頭上動土  | 129 |
| 天下太平   | 124 | 天癡地閉 | 128 | 五尺之童     | 33  | 太公釣魚，   |     |
| 天下第一   | 124 | 天緣輻輳 | 128 | 五日京兆     | 33  | 願者上鈞    | 130 |
| 天下爲公   | 124 | 天翻地覆 | 128 | 五月披裘     | 33  | 犬牙相制    | 318 |
| 天下爲家   | 124 | 天羅地網 | 128 | 五月飛霜     | 33  | 犬牙相錯    | 318 |
| 天下無雙   | 125 | 天寶當年 | 128 | 五世同堂     | 33  | 犬馬之勞    | 318 |
| 天女散花   | 125 | 天壤牛郎 | 128 | 五世其昌     | 33  | 不一而足    | 20  |
| 天之驕子   | 125 | 天懸地隔 | 128 | 五光十色     | 33  | 不二法門    | 21  |

|      |    |         |    |          |     |         |     |
|------|----|---------|----|----------|-----|---------|-----|
| 不入時宜 | 21 | 不速之客    | 24 | 不如意事常八九  | 27  | 尺短寸長    | 157 |
| 不三不四 | 21 | 不逞之徒    | 24 | 不到黃河心不死  | 27  | 尺幅千里    | 157 |
| 不文不武 | 21 | 不時之需    | 24 | 不是冤家不聚頭  | 27  | 尺蠖求伸    | 157 |
| 不亢不卑 | 21 | 不修邊幅    | 24 | 不看僧面看佛面  | 27  | 尺有所短，寸有 |     |
| 不日不月 | 21 | 不倫不類    | 24 | 不患寡而患不均  | 27  | 所長      | 157 |
| 不今不古 | 21 | 不脛而走    | 24 | 不管三七二十一  | 27  | 巴三覽四    | 165 |
| 不分皂白 | 21 | 不偏不倚    | 24 | 不入虎穴，焉得  |     | 巴山夜雨    | 165 |
| 不主故常 | 21 | 不揪不係    | 24 | 虎子       | 27  | 巴巴結結    | 165 |
| 不平則鳴 | 21 | 不得要領    | 24 | 不可無一，不可  |     | 巴高望上    | 165 |
| 不可一世 | 21 | 不寒而栗    | 24 | 有二       | 27  | 巴蛇吞象    | 165 |
| 不可收拾 | 21 | 不期而會    | 24 | 不因一事，不長  |     | 孔武有力    | 137 |
| 不可思議 | 21 | 不欺暗室    | 24 | 一智       | 27  | 孔孟之道    | 137 |
| 不可救藥 | 21 | 不問不界    | 24 | 不塞不流，不止  |     | 孔思周情    | 137 |
| 不古不今 | 21 | 不違農時    | 24 | 不行       | 27  | 孔席墨突    | 137 |
| 不生不死 | 21 | 不稂不莠    | 24 | 不聽好人言，必有 |     | 孔席不暝，墨突 |     |
| 不安於室 | 21 | 不勝其煩    | 24 | 恹惶淚      | 27  | 不黔      | 137 |
| 不亦樂乎 | 21 | 不絕若綫    | 25 | 不是東風壓了西  |     | 少不更事    | 155 |
| 不夷不惠 | 22 | 不落窠臼    | 25 | 風，就是西風壓  |     | 少安毋躁    | 155 |
| 不共戴天 | 22 | 不遺千里    | 25 | 了東風      | 27  | 少安無躁    | 155 |
| 不在話下 | 22 | 不虞之譽    | 25 | 尤雲殢雨     | 156 | 少成若性    | 155 |
| 不存不濟 | 22 | 不經之談    | 25 | 牙牙學語     | 315 | 少年老成    | 155 |
| 不劣方頭 | 22 | 不學唯是    | 25 | 牙角口吻     | 315 | 少年氣盛    | 155 |
| 不因人熱 | 22 | 不齊不盡    | 25 | 予取予求     | 31  | 少見多怪    | 155 |
| 不合時宜 | 22 | 不舞之鶴    | 25 | 引人人勝     | 172 | 少壯不努力，  |     |
| 不合時務 | 22 | 不蔓不枝    | 25 | 引以為戒     | 172 | 老大徒傷悲   | 155 |
| 不名一錢 | 22 | 不遺餘力    | 25 | 引而不發     | 172 | 止戈為武    | 278 |
| 不伏燒埋 | 22 | 不辨菽麥    | 25 | 引虎自衛     | 172 | 止於至善    | 278 |
| 不如歸去 | 22 | 不謀而同    | 25 | 引咎自責     | 172 | 止談風月    | 278 |
| 不伎不求 | 22 | 不謀而合    | 25 | 引風吹火     | 172 | 止暴禁非    | 279 |
| 不言而喻 | 22 | 不學無術    | 25 | 引鬼上門     | 172 | 日下無雙    | 245 |
| 不求甚解 | 23 | 不翼而飛    | 25 | 引狼入室     | 172 | 日上三竿    | 245 |
| 不求聞達 | 23 | 不豐不殺    | 25 | 引商刻羽     | 173 | 日久年深    | 245 |
| 不攻自破 | 23 | 不識一丁    | 25 | 引領而望     | 173 | 日不移晷    | 245 |
| 不近人情 | 23 | 不識大體    | 25 | 引經據古     | 173 | 日不暇及    | 245 |
| 不直一錢 | 23 | 不識時務    | 26 | 引經據典     | 173 | 日不暇給    | 245 |
| 不拘小節 | 23 | 不癡不聾    | 26 | 引頸受戮     | 173 | 日中必彗    | 245 |
| 不知甘苦 | 23 | 不擲進士    | 26 | 引錐刺股     | 173 | 日中則昃    | 245 |
| 不知所措 | 23 | 不驚龍辱    | 26 | 引類呼朋     | 173 | 日中則移    | 245 |
| 不知彌蓋 | 23 | 不以人廢言   | 26 | 引繩排根     | 173 | 日月入懷    | 245 |
| 不衫不履 | 23 | 不喫烟火食   | 26 | 弔民伐罪     | 173 | 日月交食    | 245 |
| 不郎不秀 | 23 | 不可同日而語  | 26 | 弔死問生     | 173 | 日月合璧    | 245 |
| 不為己甚 | 23 | 不打不成相識  | 26 | 弔死問疾     | 173 | 日月如梭    | 246 |
| 不食之地 | 23 | 不怕官，只怕管 | 26 | 弔拷棚扒     | 173 | 日月參辰    | 246 |
| 不即不離 | 23 | 不當家花拉的  | 26 | 尺二秀才     | 157 | 日月跳丸    | 246 |
| 不約而同 | 23 | 不當家花花的  | 26 | 尺寸千里     | 157 | 日升月恒    | 246 |
| 不恥下問 | 23 | 不如意事十八九 | 26 | 尺布斗粟     | 157 | 日出三竿    | 246 |

|                 |     |           |    |           |     |        |     |
|-----------------|-----|-----------|----|-----------|-----|--------|-----|
| 日長一線            | 246 | 以火應火      | 40 | 君子之腹      | 43  | 分庭致禮   | 69  |
| 日東月西            | 246 | 以心傳心      | 40 | 以小人之腹，度   |     | 分財異居   | 69  |
| 日居月諸            | 246 | 以水投水      | 40 | 君子之心      | 43  | 分崩離析   | 69  |
| 日削月朘            | 246 | 以水濟水      | 40 | 以小人之慮，度   |     | 分釵斷帶   | 69  |
| 日省月試            | 246 | 以水應水      | 40 | 君子之心      | 43  | 分路揚鑣   | 69  |
| 日省月課            | 246 | 以手加額      | 40 | 水火不容      | 287 | 公才公望   | 61  |
| 日食萬錢            | 246 | 以升量石      | 41 | 水火無交      | 287 | 公子王孫   | 61  |
| 日高三丈            | 246 | 以古非今      | 41 | 水火無情      | 287 | 公私兩利   | 61  |
| 日朘月削            | 246 | 以石投水      | 41 | 水木清華      | 287 | 公私兩便   | 61  |
| 日就月將            | 246 | 以石投卵      | 41 | 水中捉月      | 287 | 公私兩濟   | 61  |
| 日無暇晷            | 247 | 以白爲黑      | 41 | 水中撈月      | 287 | 公報私仇   | 61  |
| 日復一日            | 247 | 以冰致蠅      | 41 | 水月觀音      | 287 | 公聽並觀   | 61  |
| 日新月異            | 247 | 以夷伐夷      | 41 | 水石清華      | 288 | 牛刀割雞   | 315 |
| 日試萬言            | 247 | 以刑去刑      | 41 | 水米無交      | 288 | 牛不出頭   | 315 |
| 日暮途窮            | 247 | 以血洗血      | 41 | 水色山光      | 288 | 牛衣對泣   | 315 |
| 日暮途遠            | 247 | 以身試法      | 41 | 水底撈月      | 288 | 牛角掛書   | 315 |
| 日暮道遠            | 247 | 以佚代勞      | 41 | 水泄不通      | 288 | 牛鬼蛇神   | 315 |
| 日暮路遠            | 247 | 以佚待勞      | 41 | 水性楊花      | 288 | 牛渡馬勃   | 315 |
| 日銷月鑠            | 247 | 以卵投石      | 41 | 水長船高      | 288 | 牛鼎烹雞   | 315 |
| 日積月累            | 247 | 以往鑒來      | 41 | 水到渠成      | 288 | 牛頭馬面   | 316 |
| 日薄西山            | 247 | 以直報怨      | 41 | 水乳交融      | 288 | 牛蹄中魚   | 316 |
| 日轉千堵            | 247 | 以毒攻毒      | 41 | 水送山迎      | 288 | 牛驥同牢   | 316 |
| 日轉千街            | 247 | 以退爲進      | 41 | 水深火熱      | 288 | 牛驥同皁   | 316 |
| 日久見人心           | 247 | 以珠彈雀      | 41 | 水清無魚      | 288 | 手不停毫   | 206 |
| 日出而作，日入而息       | 247 | 以蚓投魚      | 41 | 水淨鵝飛      | 288 | 手不停揮   | 206 |
| 日計不足，月計有餘       | 247 | 以規爲瑱      | 42 | 水陸畢陳      | 288 | 手不停筆   | 207 |
| 日計不足，歲計有餘       | 247 | 以訛傳訛      | 42 | 水晶燈籠      | 289 | 手不輟卷   | 207 |
| 日計不足，歲計有餘       | 247 | 以殺去殺      | 42 | 水落石出      | 289 | 手不釋卷   | 207 |
| 日間不作虧心事，半夜敲門不吃驚 | 248 | 以逸待勞      | 42 | 水滴石穿      | 289 | 手不釋書   | 207 |
| 中流砥柱            | 28  | 以湯止沸      | 42 | 水盡鵝飛      | 289 | 手忙脚亂   | 207 |
| 中流砥柱            | 28  | 以湯沃沸      | 42 | 水磨工夫      | 289 | 手足之情   | 207 |
| 中流擊楫            | 28  | 以湯沃雪      | 42 | 水懦民甌      | 289 | 手足重繭   | 207 |
| 內省不疚            | 59  | 以意逆志      | 42 | 水可載舟，亦可覆舟 | 289 | 手足胼胝   | 207 |
| 內重外輕            | 59  | 以義割恩      | 42 | 覆舟        | 289 | 手足異處   | 207 |
| 內視反聽            | 59  | 以勤補拙      | 42 | 凶終隙末      | 66  | 手足無措   | 207 |
| 內聖外王            | 59  | 以暇投卵      | 42 | 今月古月      | 40  | 手到拈來   | 207 |
| 內憂外患            | 59  | 以管窺天      | 42 | 今是昨非      | 40  | 手到病除   | 207 |
| 以一奉百            | 40  | 以貌取人      | 42 | 今愁古恨      | 40  | 手到拿來   | 207 |
| 以一持萬            | 40  | 以鄰爲壑      | 42 | 今朝有酒今朝醉   | 40  | 手胼足胝   | 207 |
| 以一警百            | 40  | 以暴易暴      | 42 | 分甘共苦      | 68  | 手揮目送   | 207 |
| 以人廢言            | 40  | 以膠投漆      | 42 | 分別部居      | 68  | 手零脚碎   | 207 |
| 以文會友            | 40  | 以膠投漆      | 42 | 分別部居      | 68  | 手無寸鐵   | 208 |
|                 |     | 以戰去戰      | 42 | 分我杯羹      | 68  | 手舞足蹈   | 208 |
|                 |     | 以辭害意      | 42 | 分茅胙土      | 68  | 手無縛雞之力 | 208 |
|                 |     | 以火救火，以水救水 | 43 | 分香賣履      | 68  | 毛羽零落   | 285 |
|                 |     | 以小人之心，度   |    | 分庭抗禮      | 69  | 毛骨悚然   | 285 |
|                 |     |           |    | 分庭抗禮      | 69  |        |     |

|         |     |          |     |         |     |         |     |
|---------|-----|----------|-----|---------|-----|---------|-----|
| 毛遂自薦    | 285 | 允文允武     | 55  | 人       | 168 | 正大光明    | 279 |
| 天桃禳李    | 130 |          |     | 玉石不分    | 322 | 正中下懷    | 279 |
| 升山探珠    | 84  |          |     | 玉石俱焚    | 322 | 正本清源    | 279 |
| 升高自下    | 84  | 半斤八兩     | 84  | 玉石俱碎    | 322 | 正本澄源    | 279 |
| 升堂入室    | 84  | 半夜三更     | 84  | 玉折蘭摧    | 323 | 正言厲色    | 279 |
| 升堂見母    | 84  | 半面之舊     | 84  | 玉匣珠襦    | 323 | 正理平治    | 279 |
| 升堂拜母    | 84  | 半信半疑     | 84  | 玉卮無當    | 323 | 正顏厲色    | 279 |
| 丹書鐵券    | 29  | 半途而廢     | 84  | 玉昆金友    | 323 | 正襟危坐    | 279 |
| 丹書鐵契    | 29  | 半個前程     | 84  | 玉食錦衣    | 323 | 去天尺五    | 89  |
| 月下老人    | 257 | 半部論語     | 84  | 玉砌雕闌    | 323 | 去未歸本    | 89  |
| 月下花前    | 257 | 半推半就     | 84  | 玉液瓊漿    | 323 | 去邪歸正    | 89  |
| 月夕花朝    | 257 | 半問不界     | 84  | 玉粒桂薪    | 323 | 去泰去甚    | 89  |
| 月白風清    | 257 | 半問半界     | 84  | 玉堂金馬    | 323 | 去偽存真    | 89  |
| 月地雲階    | 257 | 半塗而廢     | 84  | 玉葉金枝    | 323 | 巨艦戴山    | 163 |
| 月盈則食    | 258 | 半路出家     | 85  | 玉質金相    | 323 | 可心如意    | 93  |
| 月缺花殘    | 258 | 半路修行     | 85  | 玉潔冰清    | 323 | 可著頭做帽子  | 93  |
| 月黑風高    | 258 | 半壁江山     | 85  | 玉體金漿    | 323 | 可與共患難，而 |     |
| 月裏姮娥    | 258 | 半籌不納     | 85  | 玉不琢，不成器 | 323 | 不可共處樂   | 93  |
| 月裏嫦娥    | 258 | 半夜敲門不吃驚  | 85  | 未了公案    | 264 | 甘心情願    | 327 |
| 月圓花好    | 258 | 穴居野處     | 359 | 未卜先知    | 264 | 甘雨隨車    | 327 |
| 月暈而風    | 258 | 它居藉藉     | 140 | 未可厚非    | 264 | 甘拜下風    | 327 |
| 月露風雲    | 258 | 立功贖罪     | 362 | 未老先衰    | 264 | 世外桃源    | 27  |
| 仁人君子    | 40  | 立地成佛     | 362 | 未雨綢繆    | 264 | 世掌絲綸    | 28  |
| 仁至義盡    | 40  | 立地書廚     | 362 | 未能免俗    | 264 | 世上無難事，只 |     |
| 仁漿義粟    | 40  | 立竿見影     | 362 | 未大不掉    | 264 | 怕有心人    | 28  |
| 仁者見仁，知者 |     | 主敬存誠     | 29  | 末學膚受    | 264 | 古井無波    | 92  |
| 見知      | 40  | 玄之又玄     | 322 | 巧不可階    | 162 | 古色古香    | 92  |
| 片文隻字    | 314 | 玄酒瓠脯     | 322 | 巧立名目    | 162 | 古肥今瘠    | 92  |
| 片甲不回    | 314 | 平心而論     | 167 | 巧立名色    | 162 | 古往今來    | 92  |
| 片言折獄    | 314 | 平心定氣     | 167 | 巧舌如簧    | 162 | 古貌古心    | 92  |
| 片言隻字    | 314 | 平心易氣     | 167 | 巧言令色    | 162 | 古調不彈    | 93  |
| 片紙隻字    | 314 | 平心靜氣     | 167 | 巧言如簧    | 162 | 古獨獨彈    | 93  |
| 片詞隻句    | 314 | 平分春色     | 167 | 巧言似簧    | 162 | 本未倒置    | 264 |
| 叩首信眉    | 87  | 平地波瀾     | 167 | 巧言偏辭    | 162 | 本來面目    | 265 |
| 反水不收    | 90  | 平地青雲     | 168 | 巧取豪放    | 162 | 打牙打令    | 208 |
| 反本修邇    | 90  | 平地風波     | 168 | 巧取豪奪    | 162 | 打牙犯嘴    | 208 |
| 反老還童    | 90  | 平步青雲     | 168 | 巧偷豪奪    | 163 | 打成一片    | 208 |
| 反求諸己    | 90  | 平治天下     | 168 | 巧發奇中    | 163 | 打抱不平    | 208 |
| 反來覆去    | 90  | 平流緩進     | 168 | 巧語花言    | 163 | 打退堂鼓    | 208 |
| 反面無情    | 90  | 平起平坐     | 168 | 巧奪天工    | 163 | 打風打雨    | 208 |
| 反唇相稽    | 90  | 平鋪直敘     | 168 | 巧詐不如拙誠  | 163 | 打家劫舍    | 208 |
| 反眼不識    | 90  | 平頭整臉     | 168 | 巧婦難為無米  |     | 打恭作揖    | 209 |
| 反裘負劓    | 90  | 平地一聲雷    | 168 | 之炊      | 163 | 打破沙鍋    | 209 |
| 反裘負薪    | 90  | 平原十日飲    | 168 | 功敗垂成    | 74  | 打草蛇驚    | 209 |
| 反經合義    | 90  | 平生不作皺眉事， |     | 功虧一篑    | 74  | 打草驚蛇    | 209 |
| 反經行權    | 90  | 天下應無切齒   |     | 正人君子    | 279 | 打躬作揖    | 209 |

|            |     |               |     |           |     |             |     |
|------------|-----|---------------|-----|-----------|-----|-------------|-----|
| 打情罵俏       | 209 | 民脂民膏          | 286 | 史不絕書      | 93  | 出頭露面        | 67  |
| 打情罵趣       | 209 | 民殷財阜          | 286 | 兄肥弟瘦      | 55  | 出醜揚疾        | 67  |
| 打得火熱       | 209 | 民富國強          | 286 | 叱咤風雲      | 93  | 出類拔萃        | 67  |
| 打散堂鼓       | 209 | 民窮財盡          | 286 | 囚首喪面      | 110 | 出師未捷身先死     | 67  |
| 打鳳撈龍       | 209 | 民以食爲天         | 286 | 四大皆空      | 109 | 出言不當,駟馬不追   | 67  |
| 打蛇打七寸      | 209 | 加人一等          | 74  | 四方八面      | 109 | 令不虛行        | 43  |
| 打鴨驚鴛鴦      | 209 | 加官進祿          | 74  | 四不拗六      | 109 | 令行禁止        | 43  |
| 打破天窗說亮話    | 209 | 加冠於屨          | 74  | 四分五剖      | 109 | 生世不諧        | 328 |
| 打破沙鍋鑿到底    | 209 | 加膝墜泉          | 75  | 四分五裂      | 109 | 生生世世        | 328 |
| 打開板壁講亮話    | 209 | 加膝墜淵          | 75  | 四亭八當      | 109 | 生老病死        | 328 |
| 秀雀先飛       | 130 | 北門鎖鑰          | 77  | 四郊多壘      | 109 | 生死存亡        | 328 |
| 左支右絀       | 163 | 北道主人          | 77  | 四面受敵      | 109 | 生死肉骨        | 328 |
| 左右兩難       | 163 | 北轍適楚          | 77  | 四面楚歌      | 109 | 生吞活剝        | 328 |
| 左右逢原       | 163 | 只敬衣衫不敬人       | 93  | 四海承風      | 109 | 生奇死歸        | 328 |
| 左右開弓       | 163 | 只許州官放火,不許百姓點燈 | 93  | 四海一家      | 109 | 生殺予奪        | 328 |
| 左右爲難       | 163 | 目不交睫          | 342 | 四海爲家      | 109 | 生張熟魏        | 328 |
| 左宜右有       | 164 | 目不邪視          | 342 | 四馬攢蹄      | 110 | 生棟覆屋        | 328 |
| 左宜右宜       | 164 | 目不見睫          | 342 | 四時八節      | 110 | 生榮死哀        | 328 |
| 左思右想       | 164 | 目不窺園          | 342 | 四時氣備      | 110 | 生龍活虎        | 329 |
| 左提右挈       | 164 | 目不轉睛          | 342 | 四通八達      | 110 | 生靈塗炭        | 329 |
| 左道旁門       | 164 | 目不識丁          | 343 | 四通五達      | 110 | 生米做成熟飯      | 329 |
| 左輔右弼       | 164 | 目中無人          | 343 | 四清六活      | 110 | 失之交臂        | 130 |
| 左圖右史       | 164 | 目牛無全          | 343 | 四戰之地      | 110 | 失支脫節        | 130 |
| 左釐右拂       | 164 | 目光如炬          | 343 | 四海之內皆兄弟   | 110 | 失張失志        | 130 |
| 左顧右盼       | 164 | 目空一切          | 343 | 四體不勤,五穀不分 | 110 | 失道寡助        | 130 |
| 石火電光       | 351 | 目使頤令          | 343 | 出一頭地      | 66  | 失魂喪魄        | 130 |
| 石沉大海       | 351 | 目送手揮          | 343 | 出人意料      | 66  | 失驚打怪        | 130 |
| 石破天驚       | 351 | 目迷五色          | 343 | 出人頭地      | 66  | 失之東隅,收之桑榆   | 130 |
| 布衣之交       | 165 | 目指氣使          | 343 | 出口入耳      | 66  | 失之毫釐,差之千里   | 130 |
| 布衣韋帶       | 165 | 目挑心招          | 343 | 出口成章      | 66  | 失馬未爲憂,得馬未爲喜 | 130 |
| 布衣蔬食       | 165 | 目食耳視          | 343 | 出水芙蓉      | 66  | 禾黍故宮        | 356 |
| 布衣黔首       | 165 | 目窺心與          | 343 | 出手得盧      | 66  | 外孫齋白        | 119 |
| 布帛菽粟       | 165 | 目無全牛          | 343 | 出生入死      | 66  | 外疆中乾        | 119 |
| 布鼓雷門       | 166 | 目瞬口呆          | 344 | 出言不遜      | 67  | 冬日可愛        | 64  |
| 司空見慣       | 93  | 目擊道存          | 344 | 出言成章      | 67  | 冬扇夏鍾        | 64  |
| 司馬昭之心,路人皆知 | 93  | 目濡耳染          | 344 | 出谷遷喬      | 67  | 冬溫夏清        | 64  |
| 民不聊生       | 285 | 目瞪口呆          | 344 | 出其不意      | 67  | 冬簷夏裘        | 64  |
| 民不堪命       | 285 | 且住爲佳          | 28  | 出奇制勝      | 67  | 包藏禍心        | 77  |
| 民和年豐       | 286 | 且食蛤蜊          | 28  | 出乖露醜      | 67  | 包羅萬象        | 77  |
| 民胞物與       | 286 | 用行舍藏          | 329 | 出幽遷喬      | 67  | 皮開肉破        | 340 |
| 民怨沸騰       | 286 | 用兵如神          | 329 | 出將入相      | 67  | 皮開肉綻        | 340 |
|            |     | 用舍行藏          | 329 | 出羣拔萃      | 67  | 皮裏春秋        | 340 |
|            |     | 另眼相看          | 93  | 出爾反爾      | 67  |             |     |
|            |     | 另眼相待          | 93  |           |     |             |     |
|            |     | 田月桑時          | 329 |           |     |             |     |